Mahendra's

UP Police कांस्टेबल / UP लेखपाल

HINDI

संधि

भाग 2

3:00 PM

LIVE

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

संधि

निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को संधि कहते हैं। वर्णों में संधि करने पर स्वर, व्यंजन अथवा विसर्ग में परिवर्तन आता है। अतःसंधि तीन प्रकार की होती हैं ,

क. स्वर संधि

ख. व्यंजन संधि

ग. विसर्ग संधि

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

स्वर संधि

स्वरों का स्वरों से मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है वह स्वर संधि कहलाता है। स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं ,

1.दीर्घ संधि

2. गुण संधि

3.यण संधि

4.वृद्धि संधि

5.अयादि संधि

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

1.दीर्घ संधि

जब सजातीय स्वर अ/आ/,इ/ई, उ/ऊ आपस में मिलते हैं तो स्वर दीर्घ हो जाता है। अतः यह दीर्घ स्वर संधि कहलाती है।

विस्तार

मानक देवनागरी वर्णमाला

स्वर –	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	(ऋ)	ए	ऐ	ओ	औ
	×	ा	ि	ी				े	ै	ो	ौ

अ + अ = आ
आ + आ =आ
अ + आ =आ
आ+ अ =आ

इ + इ = ई
ई + ई = ई
इ + ई = ई
ई + इ = ई

उ +उ = ऊ
ऊ +ऊ = ऊ
उ +ऊ = ऊ
ऊ +उ = ऊ

ऋ + ऋ = ऋ

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

2.गुण संधि

अ/आ का यह गुण है कि जब अ या आ के पश्चात् इ, ई हो तो 'ए' हो जाता है। अ/आ आ के साथ उ, ऊ हो तो 'ओ' हो जाता है तथा अ आ के पश्चात ऋ हो तो 'अर्' हो जाता है।

अ + इ = ए
आ + इ = ए
अ + ई = ए
आ + ई = ए

अ + उ = ओ
आ + उ = ओ
अ + ऊ = ओ
आ + ऊ = ओ

अ + ऋ = ओ
आ + ऋ = ओ

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

लोकैषण में प्रयुक्त सन्धि का नाम है
(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) यण् सन्धि

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

3.वृद्धि संधि

जब अ, आ के साथ ए, ऐ मिलाया जाए तो ऐ तथा अ, आ के साथ ओ औ मिलाया जाए तो औ हो जाता है।

अ + ए = ऐ
आ + ए = ऐ

अ+ओ = औ
आ+औ = औ

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

अ/आ + ए/ऐ = ऐ

मत + ऐक्य = मतैक्य
महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य
लोक + एषणा = लोकैषण

अ/आ + ओ/औ = औ

परम + ओज = परमौज
महा + औदार्य = महौदार्य
परम + औषधि = परमौषधि

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

परमौज में प्रयुक्त सन्धि का नाम है
(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) यण् सन्धि

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

यद्यपि में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) यण सन्धि

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

4.यण संधि

इ, ई के पश्चात विजातीय स्वर हो तो य् तथा उ ऊ के पश्चात अन्य स्वर हो तो व् तथा ऋ के पश्चात अन्य स्वर हो तो र हो जाता है

इ / ई + अन्य या विजातीय स्वर = य्
उ / ऊ + अन्य या विजातीय स्वर = व्
ऋ + अन्य या विजातीय स्वर = र्

इ / ई + अन्य या विजातीय स्वर = य्
यदि + अपि = यद्यपि
इति + आदि = इत्यादि
प्रति + उपकार = प्रत्युपकार
प्रति + एक = प्रत्येक

उ / ऊ + अन्य या विजातीय स्वर = व्
गुरु + अर्पण = गुर्वर्पण
मधु + आलय = मध्वालय
अनु + एषण = अंवेषण
सु + अच्छ = स्वच्छ

ऋ + अन्य या विजातीय स्वर = र्
पितृ + आदेश + पित्रादेश
पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

प्रत्येक में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) यण सन्धि

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

नयन में प्रयुक्त सन्धि का नाम है
(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) अयादि सन्धि

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

5.अयादि संधि

ए के साथ अन्य स्वर मिलने पर अय्, ऐ के साथ अन्य स्वर मिलने पर आय्, ओ के साथ अन्य स्वर मिलने पर अव् तथा औ के साथ अन्य स्वर मिलने पर आव् हो जाता है।

ए + अन्य या विजातीय स्वर = अय्
ऐ + अन्य या विजातीय स्वर = आय्
ओ+ अन्य या विजातीय स्वर = अव्
औ+ अन्य या विजातीय स्वर = आव्
ये + अन्य स्वर = अय्
ने + अन = नयन
शे + अन =शयन
ऐं + अन्य स्वर = आय्
गै + अक = गायक
गै + अन = गायन
ओ + अन्य स्वर = अव्
पो + अन = पवन
भो + अन = भवन
औ + अन्य स्वर = आव्
पौ + अन = पावन
पौ+ अक = पावक

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

पो + अन = पवन, में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) अयादि सन्धि

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

1.दीर्घ संधि - जब सजातीय स्वर अ/आ/,इ/ई, उ/ऊ आपस में मिलते हैं तो स्वर दीर्घ हो जाता है। अतः यह दीर्घ स्वर संधि कहलाती है। (अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ)

2.गुण संधि -अ/आ का यह गुण है कि जब अ या आ के पश्चात् इ, ई हो तो 'ए' हो जाता है। अ/आ आ के साथ उ, ऊ हो तो 'ओ' हो जाता है तथा अ आ के पश्चात ऋ हो तो 'अर्' हो जाता है। (अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ)

3.वृद्धि संधि जब अ, आ के साथ ए, ऐ मिलाया जाए तो ऐ तथा अ, आ के साथ ओ औ मिलाया जाए तो औ हो जाता है। (अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ)

4.यण संधि - इ, ई के पश्चात विजातीय स्वर हो तो य् तथा उ ऊ के पश्चात अन्य स्वर हो तो व् तथा ऋ के पश्चात अन्य स्वर हो तो र हो जाता है। (अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ)

5.अयादि संधि - ए के साथ अन्य स्वर मिलने पर अय्, ऐ के साथ अन्य स्वर मिलने पर आय्, ओ के साथ अन्य स्वर मिलने पर अव् तथा औ के साथ अन्य स्वर मिलने पर आव् हो जाता है। (अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ)

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

दिक् + अंबर = दिगंबर , में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) व्यंजन सन्धि

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

2. व्यंजन संधि

व्यंजन का व्यंजन अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो विकार (परिवर्तन) होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं। ये परिवर्तन कई प्रकार के होते हैं:

नियम - 1

वर्ग के पहले वर्ण का तीसरे वर्ण में परिवर्तनः - किसी वर्ग के पहले वर्ण (क् च् ट् त् प्) का मेल किसी स्वर या किसी वर्ग के तीसरे, चौथे वर्ण या य र ल व श ष स ह, से हो तो पहला वर्ण तीसरे वर्ण (ग् ज् ड् द् ब्) में बदलता है।

क वर्ग -	क	ख	ग	घ	ङ	य र ल व (अन्तस्थ व्यंजन)
च वर्ग -	च	छ	ज	झ	ञ	श ष स ह (ऊष्म व्यंजन)
ट वर्ग -	ट	ठ	ड	ढ	ण	
त वर्ग -	त	थ	द	ध	न	
प वर्ग -	प	फ	ब	भ	म	

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

दिक् + अंबर = दिगंबर
दिक् + अंत= दिगंत
उत् + घाटन = उद्घाटन
अच् + अंत = अजंत
षट् + दर्शन = षड्दर्शन
तत् + अनुसार= तदनुसार

सत् + भावन = सद्भावन
भगवत्+ गीता= भगवद्गीता
जगत् + गुरु = जगद्गुरु

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

अच् + अंत = अजंत , में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

(a) गुण सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) वृद्धि संधि
(d) व्यंजन सन्धि

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

उत् + चारण = उच्चारण , में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

(a)व्यंजन सन्धि

(b)गुण सन्धि

(c)दीर्घ सन्धि

(d)वृद्धि संधि

Mahendra's FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

नियम – 2 त् के संबंध में विशेष नियमः

क. त् या द् + च या छ हो तो त् या द् → च् में बदलता है

1. सत्+ छात्र = सच्छात्र

2. उत् + चारण = उच्चारण

3. जगत् + छाया= जगच्छाया

4. उत् + छिन्न + उच्छिन्न

Mahendra's
FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E15526

धन्यवाद